

चलनी स्त्री. (तत्.) दे. छलनी।

चलनीस पुं. (देश.) 1. चोकर, चालन, छलनी में रहने वाला पदार्थ।

चल पूँजी स्त्री. (तत्.) वह पूँजी जिससे एक मनुष्य एक बार उत्पादन कर सकता है।

चलबाँक वि. (तत्.) तेज चलने वाला, शीघ्र गामी।

चलवाना प्रे.क्रि. (तत्.) 1. चलवाने का कार्य, दूसरे से कराना।

चल-विचल वि. (तत्.) जो अपने स्थान से हट गया हो, बेठिकाने।

चलवैया वि. (तत्.) चलने वाला।

चल संपत्ति स्त्री. (तत्.) वह संपत्ति जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाई जा सके।

चलांतक पुं. (तत्.) एक प्रकार का वातरोग, आमवात।

चला स्त्री. (तत्.) 1. बिजली, दामिनी 2. पृथ्वी, भूमि 3. लक्ष्मी 4. पिप्पली, पीपल पुं. 1. व्यवहार, प्रचार, रिवाज, चाल, रीति, रस्म 2. अधिकार, प्रभुत्व, स्वामित्व।

चलाऊ वि. (तत्.) जो बहुत दिन तक चले, चिरस्थायी, मजबूत टिकाऊ, बहुत चलने-फिरने वाला।

चलाचल स्त्री. (तत्.) 1. चलाचली 2. गति 3. चाल वि. चंचल, चपल।

चलाचली स्त्री. (तत्.) 1. चलने का समय की घबराहट, चलने की हड़बड़ी 2. बहुत से लोगों का प्रस्थान 3. चलने की तैयारी 4. महाप्रस्थान की तैयारी, अंतिम समय वि. चलने वाला, जो चलने के लिए तैयार हो।

चलान स्त्री. (तत्.) 1. भेजे जाने की क्रिया 2. चलाने की क्रिया 3. अपराधी को न्याय के लिए न्यायालय में भेजना प्रयो. वह कल पकड़ा गया और आज उसकी चलान हो गई 4. माल का एक स्थान से दूसरे स्थान पर भेजना प्रयो. आज यहाँ से दूसरे स्थान पर दस बोरी का चलान हो गया

5. वह कागज जिसमें किसी सूचना के लिए भेजी हुई चीजों की सूची या विवरण आदि हो वि. इस प्रकार की चलान सरकारी खजानों या तहसीलों आदि से दूसरे दफ्तरों में भेजे जाने वाले रुपयों के साथ भेजी जाती है।

चलाना स.क्रि. (तत्.) 1. किसी को चलने में लगाना, चलने के लिए प्रेरित करना 2. गति देना, हिलाना-डुलाना, हरकत देना प्रयो. वह प्रतिदिन दो घंटे चरखा चलाता है 3. कार्य निर्वह में समर्थ करना, निभाना 4. प्रवाहित करना 5. वृद्धि करना, उन्नति करना 6. किसी कार्य को अग्रसर करना 7. आरंभ करना 8. जारी रखना 9. खाने-पीने की वस्तु परोसना 10. बराबर काम में लाना, टिकाना प्रयो. वह अपना कोट तीन बरस और चलाएगा 11. व्यवहार में लाना प्रयो. उसने तो यह फटा नोट भी चला दिया 12. प्रचलित करना, प्रचार करना प्रयो. आप तो रोज नई रीति चलाते हो 13. किसी वस्तु से प्रहार करना 14. व्यापार की वृद्धि करना 15. आचरण कराना।

चलानी स्त्री. (तत्.) बिक्री के लिए माल बाहर भेजने का कार्य।

चलायमान वि. (तत्.) 1. चलने वाला 2. चंचल 3. विचलित।

चलाव पुं. (तत्.) 1. चलने का भाव, यात्रा, प्रयाण, पयान, रवानगी।

चलावा पुं. (तत्.) 1. रीति, रस्म, रिवाज 2. द्विरागमन, गौना, मुकलावा 3. एक प्रकार का उतारा जो प्रायः गाँवों में भयंकर बीमारी पड़ने के समय किया जाता है।

चलार्थ वि. (तत्.) प्रचलन वाला, हमेशा चलने वाला।

चलासन पुं. (तत्.) बौद्धों के मत से एक प्रकार का दोष जो सामयिक व्रत में आसन बदलने के कारण होता है।

चलि पुं. (तत्.) 1. आवरण 2. अंगरखा।

चलित वि. (तत्.) 1. अस्थिर, चलायमान 2. चलता हुआ पुं. नृत्य में एक तरह की चेष्टा।